भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *351

सोमवार, 28 मार्च, 2022/7 चैत्र, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देना

***351. श्री रवि किशनः**

श्री रविन्दर कुशवाहाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या योजना बनाई गई हैं;

(ख) देश में ऐसे सीमावर्ती क्षेत्र कितने हैं जिन्हें गत तीन वर्षों के दौरान पर्यटन हेतु विकसित किया गया है; और

(ग) सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट स्थित गांवों को पर्यटक मानचित्र में शामिल करने के लिए क्या योजना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

*****

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 28.03.2022 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *351 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देश में पर्यटन का संवर्धन करता है । मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/ केंद्रीय एजेंसियों को स्वदेश दर्शन तथा तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन नामक अपनी प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत सीमावर्ती राज्यों सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता और योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त यह मंत्रालय नागर विमानन मंत्रालय के सहयोग से आरसीएस उड़ान 3 के अंतर्गत अभिज्ञात पर्यटन रूटों के विकास के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है । सीमावर्ती राज्यों में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय ने राज्य पर्यटन विभागों तथा अन्य हितधारकों के साथ निकट समन्वय में सीमावर्ती जिलों से जुड़ी चुनौतियों का समाधान, पर्यटन विकास, संस्थागत परिवेश तथा सुरक्षा बैरियर के संबंध में भी पहलें की हैं । यह मंत्रालय ''आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार'' (डीपीपीएच) तथा बाजार विकास सहायता सहित विदेशों में संवर्धन एवं प्रचार (ओपीएमडी)'' नामक अपनी योजनाओं के तहत सीमावर्ती राज्यों सहित समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है । देश में विदेशी पर्यटक आगमन में वृद्धि करने के उद्देश्य से भारत के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए यह मंत्रालय 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के तहत जारी अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है । पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट तथा सोशल मीडिया संवर्धनों के माध्यम से विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन भी करता है ।

इसके अतिरिक्त भारत की पर्यटन क्षमता दर्शाने और देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में स्थित भारत पर्यटन कार्यालयों के माध्यम से विदेशों के महत्वपूर्ण एवं संभावित पर्यटक सृजनकारी बाजारों में श्रृंखलाबद्ध संवर्धनात्मक कार्यकलाप किए जाते हैं । इन संवर्धनात्मक कार्यकलापों में यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी; रोड शोज़, ''भारत को जानें'' संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन; भारतीय खाद्य महोत्सवों का आयोजन और उन्हें सहायता; ब्रोशर का प्रकाशन, संयुक्त रूप से विज्ञापन और ब्रोशर का प्रकाशन में, सहायता की पेशकश और मंत्रालय के आतिथ्य कार्यक्रम के तहत हमारे देश की यात्रा के लिए मीडिया हस्तियों, टूर ऑपरेटरों और ओपीनियन मेकरों को आमंत्रित करना शामिल है । सीमावर्ती राज्यों में पर्यटन के संवर्धन हेतु पर्यटन मंत्रालय की प्रमुख पहलों और प्रयासों में से कुछेक नीचे दी गई हैं : -

i. संयुक्त चेक पोस्ट, अटारी, पंजाब में पर्यटन संबंधी अवसंरचनात्मक विकास के लिए सीमा सुरक्षा बल को 1312 लाख रु. की राशि की स्वीकृति दी गई थी ।

ii. असम (नेमाटी, पांडु, जोगीघोपा तथा बिस्वनाथ घाट) सहित राष्ट्रीय जलमार्ग सं. 1 और 2 पर रिवर क्रूज के चढ़ने/उतने के 9 मुख्य बिंदुओं पर जेट्टियों के निर्माण के लिए इनलैंड वॉटरवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईडब्ल्यूएआई) को 2803.05 लाख रु. की राशि की स्वीकृति दी थी ।

iii. पीएचडीसीसीआई के सहयोग से की गई एक अलग पहल में देश के संबंधित सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के साथ-साथ संबंधित हितधारकों में पर्यटन शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए वेबिनारों का आयोजन किया गया है ।

iv. पर्यटन मंत्रालय के अधीनस्थ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्कीइंग एंड माउंटेनियरिंग (आईआईएसएम), गुलमर्ग ने जनवरी, 2021 में द्रास, कारगिल में आइस स्केटिंग आयोजन तथा राष्ट्रीय स्तर की आइस हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन किया है ।

v. सड़क कनेक्टिविटी और मार्गस्थ सुविधाएं – पर्यटन मंत्रालय ने पहले फेज में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ प्रतिष्ठित स्थलों और यूनेस्को विश्व विरासत स्थलों सहित 50 पर्यटन गंतव्यों की एक कसूची साझा की थी । जहां पहले से बेहतर सड़क कनेक्टिविटी मौजूद है वहां सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से उक्त पर्यटन गंतव्य के दोनों ओर 15-20 किलोमीटर की दूरी पर मार्गस्थ सुविधाओं, स्पष्ट दिखाई देने वाले संकेतकों की स्थापना और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण पर विचार करने का अनुरोध किया गया है । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह सूचित किया है कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा अभिज्ञात 50 गंतव्यों में से 23 सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय/भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में आते हैं जिन पर काम चल रहा है और तीन (03) सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के अंतर्गत आते हैं ।

    1. पैंगांग झील, लद्दाख
    2. कारगिल लद्दाख
    3. ऋषिकेश, उत्तराखंड

vi. उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले के पर्यटन विकास की संभावनाओं पर पर्यटन मंत्रालय द्वारा भी एक अध्ययन कराया गया है।

सीमावर्ती राज्यों में पर्यटन के संवर्धन के लिए पर्यटन मंत्रालय की उपरोक्त पहलों के अतिरिक्त विदेश मंत्रालय ने अन्य के साथ-साथ किए गए दूसरे संवर्धनात्मक प्रयासों के बारे में सूचित किया है जो अनुबंध-।। में दिए गए हैं ।

*****

अनुबंध-।

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 28.03.2022 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *351 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजना के तहत सीमावर्ती राज्यों में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ**	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	2014-15	भालुकपोंग बोमडिला और तवांग में मेगा परिपथ का विकास	49.77
2.	अरुणाचल प्रदेश	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	नफरा - सेप्पा- पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ- संगदुपोटा- न्यू सागली- जीरो- योमचा का विकास	96.72
3.	असम	वन्यजीव परिपथ	2015-16	मानस-पोबितोरा- नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू-साइखोवा का विकास	94.68
4.	**असम**	**विरासत परिपथ**	2016-17	तेजपुर - माजुली -शिबसागर का विकास	90.98
5.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ	2016-17	वैशाली – आरा – मसद – पटना - राजगीर-पावापुरी- चम्पापुरी का विकास	37.19
6.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	कांवड़िया मार्ग: सुल्तानगंज- धर्मशाला- देवघर का समेकित विकास	44.76
7.	बिहार	बौद्ध परिपथ	2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास - बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	98.73
8.	बिहार	ग्रामीण परिपथ	2017-18	गांधी परिपथ का विकास: भितिहरवा- चंद्रहिया-तुर्कौलिया	44.65
9.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ	2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	47.53
10.	**गुजरात**	**विरासत परिपथ**	2016-17	अहमदाबाद - राजकोट- पोरबंदर-बारडोली- दांडी का विकास	58.42
11.	**गुजरात**	**विरासत परिपथ**	2016-17	वडनगर - मोढेरा का विकास	91.11
12.	**गुजरात**	बौद्ध	2017-18	जूनागढ़ -गिर सोमनाथ -भरूच- कच्छ-	26.68

		परिपथ		भावनगर-राजकोट-मेहसाणा का विकास	
13.	**हिमाचल प्रदेश**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	हिमाचल प्रदेश में हिमालयन परिपथ का एकीकृत विकास	80.69
14.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	जम्मू-श्रीनगर-पहलगाम-भगवती नगर-अनंतनाग-सलामाबाद उरी-कारगिल-लेह का एकीकृत विकास	77.33
15.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	जम्मू-राजौरी-शोपियां-पुलवामा में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	84.46
16.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	पीएम विकास पैकेज के तहत 2014 में बाढ़ में नष्ट हुई परिसंपत्तियों के बदले में निर्माण के तहत पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास।	90.43
17.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	मंतलाई और सुधमहादेव में पर्यटक सुविधाओं का एकीकृत विकास	90.85
18.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	**अनंतनाग- किश्वार- पहलगाम - डाकसुम – रणजीतसागर बांध में पर्यटक सुविधाएं का एकीकृत विकास**	87.44
19.	**जम्मू एवं कश्मीर**	**हिमालयन** परिपथ	2016-17	गुलमर्ग-बारामूला -कुपवाड़ा-लेह में पर्यटक सुविधाओं का विकास	91.84
20.	मणिपुर	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	मणिपुर में पर्यटक परिपथ का विकास: इंफाल- खोंगजोम	72.23
21.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	**श्री गोविन्दजी मंदिर, श्री बिजयगोविंदजी मंदिर - श्री गोपीनाथ मंदिर - श्री बंगशीबोदन मंदिर - श्री कैना मंदिर का विकास**	53.8
22.	**मेघालय**	पूर्वोत्तर परिपथ	2016-17	उमियम (लेक व्यू), यूलुम सोहपेटबेंग – मऊडियाँगडियाँग - आर्किड लेक रिज़ॉर्ट का विकास	99.13
23.	**मेघालय**	पूर्वोत्तर परिपथ	2018-19	पश्चिम खासी पहाड़ियों का विकास (नोंगख्लाव- क्रैम टिरोट - खुडोई और कोहमंग फॉल्स - खारी नदी- मावतद्रिशान, शिलांग), जयंतिया हिल्स (क्रंग सुरी फॉल्स-	84.97

				शिरमांग –लूकसी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टा बील, सिजू गुफाएं)	
24.	मिजोरम	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	तंजावल एवं साउथ ज़ोट, डिस्ट्रिक्ट्स सेरछिप तथा रीक का समेकित विकास	92.26
25.	मिजोरम	**इको** परिपथ	2016-17	एज़वाल -रावपुइछिप -कॉवफवप- लेंगपुई - डर्टलैंग -चेतलांग- सकरावुमटुआइट्लंग - मूथी - बेरतलॉन्ग -तुरियल एयरफ़ील्ड में इको- एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37
26.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	2015-16	पेरेन - कोहिमा- वोखा जनजातीय परिपथ का विकास	97.36
27.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ	2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग-मोन का विकास	98.14
28.	पंजाब	विरासत परिपथ	2018-19	आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फ़िरोज़पुर - अमृतसर - खटकरकलां - कलानौर - पटियाला का विकास	91.55
29.	राजस्थान	मरुस्थल परिपथ	2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
30.	राजस्थान	**कृष्ण** परिपथ	2016-17	गोविंददेवजी मंदिर (जयपुर), खाटूश्यामजी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	75.80
31.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	चूरू (सालासरबालाजी) - जयपुर (श्री समोदेबालाजी, घाटकेबालाजी, बांधेके बालाजी) अलवर (पांडुपोल हनुमानजी, भरथरी) - विराटनगर (बिजाक, जैनासिया, अंबिका मंदिर) - भरतपुर (कामन क्षेत्र) - धौलपुर मुचकुंद-मेंहदीपुर बालाजी-चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	93.9
32.	राजस्थान	विरासत परिपथ	2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ फोर्ट) - जयपुर (नाहरगढ़ किला) - अलवर (बालाकिला) - सवाईमाधोपुर (रणथंभौर किला और खंडार किला) - झालावाड़ (गागरोन फोर्ट) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) जैसलमेर (जैसलमेर किला) हनुमान गढ़ (कालीबंगन	72.49

				भटनेर किला और गोगामेड़ी) जालौर (जालौर का किला) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-निलोफ़र और पुरानी छावनी) - नागौर (मीराबाई स्मारक) का विकास	
33.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग- अरितर-फड़मचेन-नाथांग-शेरथांग- त्सोंगमो-गंगटोक-फोडोंग- मंगन- लाचुंग-युमथांग-लाचेन - थंगु- गुरूदोंगमेर- मंगन-तमिल-टुमिनलिंगी- सिंगटम (निकास) को जोड़ने वाले परिपथ का विकास	98.05
34.	सिक्किम	पूर्वोत्तर परिपथ	2016-17	सिंगतम-माका-टेमी-बेरमोइकटोकेल-फोंगिया-नामची-जोरेथांग-ओखरे-सोम्बारिया-दारमदीन-जोरेथांग-मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32
35.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	2015-16	अगरतला- सिपाहीजला- मेलाघर-उदयपुर- अमरपुर- तीर्थमुख- मंदिरघाट-डुम्बूर- नारिकेलकुंजा- गंडचारा -अंबासा: पूर्वोत्तेर परिपथ का विकास	82.85
36.	त्रिपुरा	पूर्वोत्तर परिपथ	2018-19	सूरमा चेरा - उनाकोटी- जम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-मातावाड़ी - नीरमहल-बॉक्सानगर- चोताखोला- पिलक- अवंगचारा का विकास	65.00
37.	**उत्तर प्रदेश**	बौद्ध परिपथ	2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	99.97
38.	**उत्तर प्रदेश**	**रामायण** परिपथ	2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45
39.	**उत्तर प्रदेश**	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	शाहजहाँपुर - बस्ती-अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी- प्रतापगढ़-उन्नाव-कौशाम्बी- मिर्जापुर-गोरखपुर- कैराना-डूमरियागंज- बागपत-बाराबंकी- आज़मगढ़ का विकास	71.91
40.	**उत्तर प्रदेश**	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	बिजनौर- मेरठ- कानपुर- कानपुर देहात-बांदा- गाज़ीपुर- सलेमपुर- घोसी- बलिया-अंबेडकरनगर- अलीगढ़- फतेहपुर- देवरिया-महोबा- सोनभद्र-चंदौली- मिश्रीख- भदोही	67.51

				का विकास	
41.	**उत्तर प्रदेश**	**विरासत** परिपथ	2016-17	कालिंजर किले (बांदा) - मरहरधाम (संतकबीर नगर) -चौरीचौरा, शहीदस्थल (फतेहपुर) –मवाहर स्थल (घोसी) – शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	33.97
42.	**उत्तर प्रदेश**	रामायण परिपथ	2017-18	आयोध्या का विकास	127.21
43.	**उत्तर प्रदेश**	आध्या त्मिक परिपथ	2018-19	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03
44.	**उत्तर प्रदेश**	आध्या त्मिक परिपथ	2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपाटन मंदिर (बलरामपुर) और वटवासिनी मंदिर (डोमरियागंज) का विकास	15.76
45.	उत्तराखण्ड	इको परिपथ	2015-16	टिहरी झील और आसपास के विकास के लिए इको-टूरिज्म, एडवेंचर स्पोर्ट्स, एसोसिएटेड टूरिज्म से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर का एकीकृत विकास।	69.17
46.	उत्तराखण्ड	विरासत परिपथ	2016-17	कुमाऊँ क्षेत्र -कटारमल-जोगेश्वर-बैजनाथ-देवीधुरा में विरासत परिपथ का विकास	76.32
47.	पश्चिम बंगाल	तटवर्ती परिपथ	2015-16	बीच सर्किट का विकास: उदयपुर-दीघा-शंकरपुर-ताजपुर-मंदरमनी-फ्रेजरगंज-बख्खलाई-हेनरी द्वीप।	67.99
48.	उत्तर प्रदेश और बिहार	मार्गस्थ सुविधाएं	2018-19	उत्तर प्रदेश और बिहार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से मार्गस्थ सुविधाओं का विकास वाराणसी-गया, लखनऊ-अयोध्या- लखनऊ; गोरखपुर-कुशीनगर; कुशीनगर-गया- कुशीनगर।	15.07

प्रशाद योजना के तहत सीमावर्ती राज्यों में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

(करोड़ रु. में**)**

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	परियोजना संख्या	परियोजनाओं का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि
1	अरुणाचल प्रदेश	1.	लोहित जिले में परसूराम कुंड का विकास	2020-21	37.88
2	असम	2.	गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर और इसके	2015-16	29.80

			आस-पास तीर्थ गंतव्य का विकास		
3	बिहार	3.	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	4.27
		4.	पटना साहेब का विकास	2015-16	41.54
4	गुजरात	5.	द्वारका का विकास	2016-17	13.08
		6.	सोमनाथ में तीर्थस्थल सुविधाएं	2016-17	45.36
		7.	प्रशाद योजना के अन्तर्गत सोमनाथ में प्रोमिनेड का विकास	2018-19	47.12
		8.	सोमनाथ गुजरात में कतार प्रबंधन परिसर के साथ तीर्थ प्लाजा का विकास	2021-22	49.97
5	जम्मू एवं कश्मीर	9.	हजरतबल का विकास	2016-17	40.46
6	मेघालय	10.	मेघालय में तीर्थस्थल सुविधाओं का विकास	2020-21	29.32
7	नागालैंड	**11.**	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26
8	पंजाब	12.	अमृतसर में करूणा सागर वाल्मिकी स्थल का विकास	2015-16	6.40
		13.	प्रशाद योजना के तहत पंजाब के रोपड़ में चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57
9	राजस्थान	14.	पुष्कर/अजमेर का एकीकृत विकास	2015-16	32.64
10	सिक्किम	15.	युकसोम में चार संरक्षक संतों पर तीर्थ सुविधा का विकास	2020-21	33.32
11	त्रिपुरा	16.	त्रिपुरा सुन्दरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.84
12	उत्तराखण्ड	17.	केदारनाथ का एकीकृत विकास	2015-16	34.77
		18.	प्रशाद योजना के तहत बद्रीनाथ जी धाम (उत्तराखण्ड) में तीर्थयात्रा सुविधा हेतु अवसंरचना विकास	2018-19	39.24
		19.	प्रशाद योजना के तहत (उत्तराखण्ड) में गंगोत्री और यमुनोत्रीधाम तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं का संवर्द्धन	2021-22	54.36
13	उत्तर प्रदेश	20.	मेगा पर्यटक परिपथ (चरण-।।) के रूप में मथुरा-वृंदावन का विकास	2014-15	14.93
		21.	वृंदावन, जिला मथुरा में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण	2014-15	9.36
		22.	वाराणसी का विकास – चरण-।	2015-16	20.40
		23.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	10.72
		24.	प्रशाद योजना – चरण ।। के अन्तर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	44.60
		25.	गोवर्धन, मथुरा उत्तर प्रदेश में अवसंरचना	2018-19	39.74

			सुविधाओं का विकास		
14	पश्चिम बंगाल	26.	बेलूर का विकास	2016-17	30.03

केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा केंद्रीय एजेंसियों को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में**)**

वर्ष	राज्य	परियोजनाओं का नाम	एजेंसी	स्वीकृत राशि
2017-18	पंजाब	जेसीपी अटारी में अवसंरचना विकास के लिए परियोजना	बीएसएफ	1312.00
2019-20	उत्तर प्रदेश वाराणसी) & इलाहाबाद-I, इलाहाबाद-II), बिहार (भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) & असम (नेमाटी, पांडु, जोगीघोपा एवं विश्वनाथघाट)	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के तटबंध के नौ मुख्य स्थलों पर पोतारोहणअवरोहण के / विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	आईडब्ल्यूएआई	2803.05
2020-21	मिजोरम	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबद्ध अवसंरचना विकास	वैपकोस	3994.75

*****

अनुबंध-।।

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 28.03.2022 के लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. *351 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों के अनुपूरक के रूप में विदेश मंत्रालय द्वारा किए गए अन्य संवर्धनात्मक प्रयास

- भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स, गुवाहाटी के सहयोग से मार्च, 2021 में एक अंतर्राष्ट्रीय क्रेता – विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यटन क्षेत्र भी शामिल था ।
- उड़ान के तहत नागर विमानन मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों और मांडले तथा यंगॉन के बीच उड़ाने शुरू करने के लिए प्रयासरत है ।
- सितम्बर, 2019 से कोलकाता और यंगॉन के बीच नियमित उड़ान से हवाई कनेक्टिविटी बेहतर हो गई है ।
- वर्तमान में विदेश मंत्रालय, म्यांमार और पूर्वोत्तर के मणिपुर तथा मिजोरम राज्यों के बीच सड़क कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भारत-म्यांमार त्रिपक्षीय राजमार्ग एवं कालादान सड़क परियोजना नामक विकास परियोजना चला रहा है ।
- वर्तमान में बांग्लादेश और भारत के बीच दो यात्री ट्रेन सेवाएं चल रही हैं । मार्च 2021 में माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की ढाका यात्रा के दौरान ढाका –सिलिगुड़ी से मिताली एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया ।
- सरकार ने इनबाउंड पर्यटन को सुगम बनाने के लिए बांग्लादेशियों (पाकिस्तान से आए) को वीज़ा तंत्र से हटा दिया था ।
- बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) मोटर वाहन करार (एमवीए) के लागू होने से बांग्लादेश के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगी ।
- सब्रूम (त्रिपुरा) को रामगढ़ (बांग्लादेश) के साथ जोड़ने वाली फेनी नदी पर 133 करोड़ रु. की लागत से निर्मित 1.9 कि.मी. लंबाई वाला मैत्री सेतु जिसका उद्घाटन 2021 में हुआ था, त्रिपुरा और बांग्लोदश को आपस में जोड़ता है ।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र को बांग्लोदश के साथ जोड़ने वाले 3 बस रूट प्रचालनरत हैं जो शिलांग, गुवाहाटी और अगरतला से गुजरते हैं । (ढाका – शिलांग – गुवाहाटी, ढाका – अगतरतला, कोलकाता – ढाका – अगरतला)
- वर्ष 2020 में सोनामुड़ा – दौडकंडी रूट को शामिल किए जाने से अब पर्यटकों के आवागमन के लिए भारत तथा बांग्लोदश के बीच 10 अनुमोदित अंतरदेशीय वॉटरवे रूट हैं ।
- इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) तथा भू-अप्रवासन चेक पोस्ट (आईएमसीपी) जैसी सीमावर्ती अवसंरचना सीमा के आर-पार लोगों के आवागमन में सहायता करती है ।

भारत –बांग्लादेश सीमा पर वर्तमान 2 आईसीपी और 24 एलसीएस में पूर्ण रूप से प्रचालनरत हैं ।

- वर्तमान में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सात बॉर्डर हाट हैं जिनमें से दो त्रिपुरा में और पांच मेघालय में प्रचालनरत हैं । हाल ही में नलिकटा (भारत) – सैदाबाद (बांग्लादेश); रिंग्कू (भारत) – बागान बाड़ी (बांग्लादेश) और भोलागंज में तीन हाट प्रचालनरत हैं ।
- अगरतला (त्रिपुरा) और अखूरा (बांग्लादेश) के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने, इनबाउंड पर्यटन के संवर्धन हेतु रेल लिंक का विकास किया जा रहा है ।
- इनबाउंड पर्यटन के अबाध प्रवाह को संभव बनाने के लिए पूरे म्यांमार से होकर गुजरने वाले और मणिपुर में मोरेह को थाइलैंड में मेई सॉट से जोड़ने वाले भारत-म्यांमार थाइलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग का विकास किया जा रहा है ।
- प्रतिबंधित क्षेत्र परमिट के मानदंडों के भीतर समुचित रक्षा उपायों के साथ भारत में यात्रा एवं खरीदारी की सुगमता को पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों हेतु बढ़ाने के लिए 16 कि.मी. के सीमा क्षेत्र में मुक्त आवागमन तंत्र लागू किया गया है ।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र की जातीय आत्मीयता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दर्शाने के लिए पड़ोसी देशों के निवासी राजदूतों को नागालैंड जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में महोत्सवों में ले जाया गया ।
- दिसम्बर 2019 में सगैंग तथा मांडले से आए एक विधायी शिष्टमंडल ने इम्फाल का दौरा किया जहां वे स्थानीय पर्यटन एजेंसियों से मिले और पर्यटन के संवर्धन के बारे में विचारों का आदान – प्रदान किया ।
- इंडियन चैंबर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस (आईसीआईबी) ने मिशन तथा भारत-म्यांमार चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से दिनांक 21 जनवरी 2021 को 'लुक ईस्ट एक्ट ईस्ट - अपौरच्युनिटीज इन नॉर्थ ईस्ट इंडिया एडं नेबर्स, म्यांमार, भूटान तथा बांग्लादेश'' नामक एक वर्चुअल व्यापार, पर्यटन तथा निवेश संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया ।

*****